Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

LET'S LEARN TOGETHER

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ विचारणीय मुद्दे :-

- दुनिया भर में कृषि योग्य भूमि में अब कोई बढ़ोत्तरी नहीं हो रही जबकि मौजूदा उपजाऊ जमीन के एक बड़े हिस्से की उर्वरता कम हो रही है। चारवाहों के चारे खत्म होने को है और मत्स्य भंडार घट रहा है। जलाशयों की जलराशि बड़ी तेजी से कम हुई है। इसमें प्रदूषण बड़ा है। इससे खाद्य उत्पादन में कमी आ रही है।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ की मानव विकास रिपोर्ट (2016) के अनुसार विकासशील देशों की 66.3 करोड़ जनता को स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यहां की दो अरब चालीस करोड़ आबादी साफ-सफाई की सुविधा से वंचित है। इस वजह से 30 लाख से ज्यादा बच्चे हर साल मौत के शिकार होते हैं।
- प्राकृतिक वन जलवायु को संतुलित रखने में मदद करते हैं, इनसे जलचक्र भी संतुलित बना रहता है और इन्हीं वनों में धरती की जैव-विवधता का भंडार भरा रहता है लेकिन ऐसे वनों की कटाई हो रही है और लोग विस्थापित हो रहे हैं। जैव-विवधता की हानि जारी है और इसका कारण है उन पर्यावासों का विध्वंस जो जैव-प्रजातियों के मामले में समृद्ध है।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- धरती के ऊपरी वायुमंडल में ओजोन गैस की मात्रा में लगातार कमी हो रही है। इसे ओजोन परत में छेद होना भी कहते हैं। इससे पारिस्थितिकी तंत्र और मनुष्य के स्वास्थ्य पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है।
- पूरे विश्व में समुद्रतटीय क्षेत्रों का प्रदूषण भी बढ़ रहा है। यद्यपि समुद्र का मध्यवर्ती भाग अब भी अपेक्षाकृत स्वच्छ है लेकिन इसका तटवर्ती जल जमीनी क्रियाकलापों से प्रदूषित हो रहा है। पूरी दुनिया में समुद्रतटीय इलाकों में मनुष्य की सघन बसावट जारी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश न लगा तो समुद्री पर्यावरण की गुणवत्ता में भारी गिरावट आएगी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ये मसले विश्व राजनीति के :-

- इन मसलों का समाधान किसी एक देश की सरकार अकेले दम पर नहीं कर सकती।
- कौन पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है?
- इस पर रोक लगाने के उपाय करने की जिम्मेदारी किसकी है?
- धरती के प्राकृतिक संसाधनों पर किसको कितने इस्तेमाल का हक है?

↓

जवाब का निर्धारण → कौन देश कितना ताकतवर है।

↓

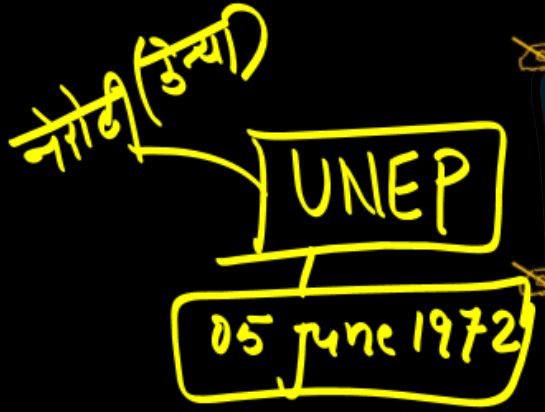
ये मसले गहरे अर्थ में राजनीतिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

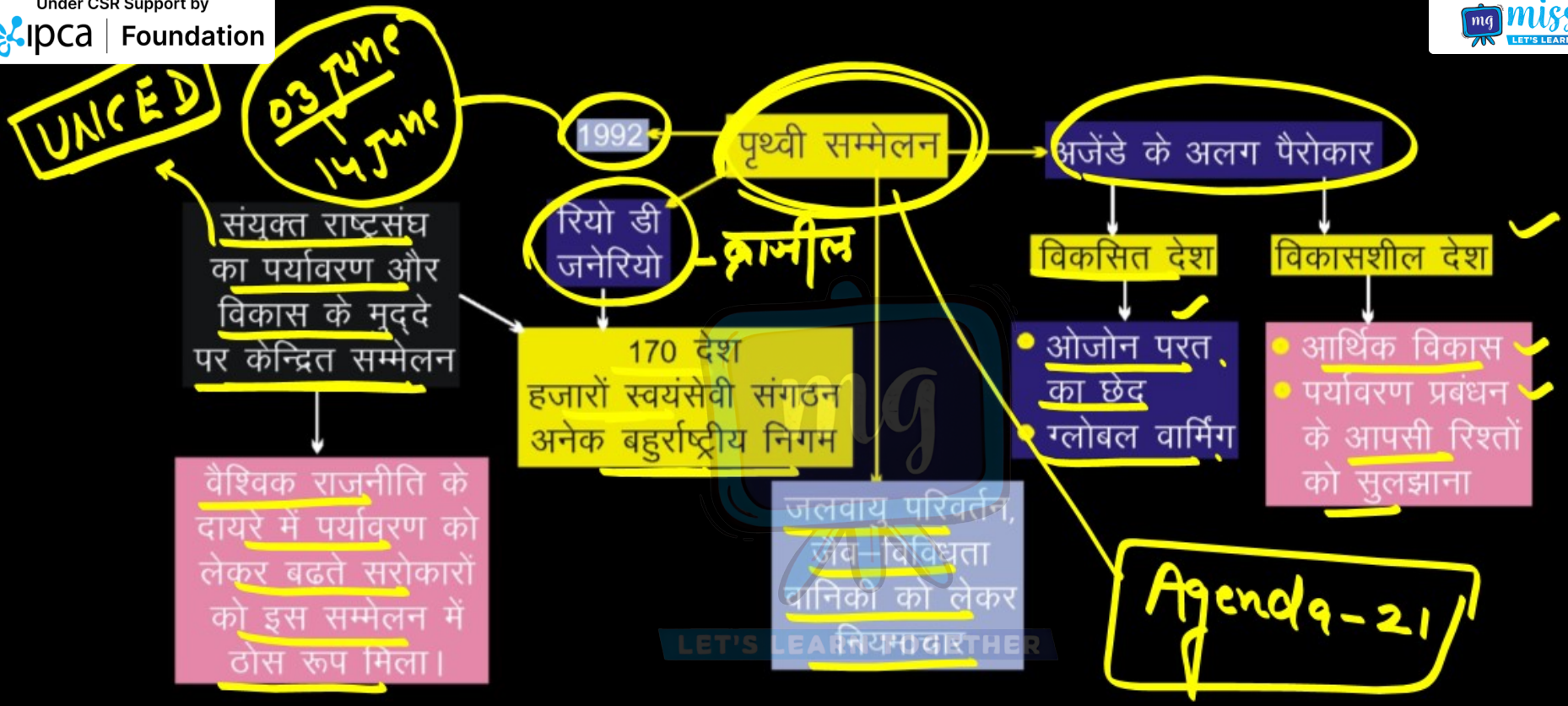
पर्यावरण - वैश्विक राजनीति का मसला :-

- वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले एक विद्वत समूह 'क्लब ऑव रोम' ने 1972 में 'लिमिट्स टू ग्रोथ' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की।
- यह पुस्तक दुनिया की बढ़ती जनसंख्या के आलोक में प्राकृतिक संसाधनों के विनाश के अंदेशे को बड़ी खूबी से बताती है।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ पर्यावरण कार्यक्रम सहित अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर सम्मेलन कराये और इस विषय पर अध्ययन को बढ़ावा देना शुरू किया।
- तभी से पर्यावरण - वैश्विक राजनीति का एक महत्वपूर्ण मसला।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अजेंडा - 21 :-

- पृथ्वी सम्मेलन में विकास के कुछ और तौर-तरीके सुझाये।
- सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी कि आर्थिक वृद्धि का तरीका ऐसा होना चाहिए कि इससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।
- इसे 'टिकाऊ विकास' का तरीका कहा गया।

समस्या :-

- 'टिकाऊ विकास' पर अमल कैसे किया जाये?
- कुछ आलोचकों का कहना कि 'अजेंडा-21' का झुकाव पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करने की बजाय आर्थिक वृद्धि की ओर है।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साझी-संपदा का अर्थ :-

- ऐसी संपदा जिस पर किसी समूह के प्रत्येक सदस्य का स्वामित्व हो।

मूल तर्क - ऐसे संसाधनों की प्रकृति, उपयोग के स्तर और रख-रखाव के संदर्भ में समूह के हर सदस्य को समान अधिकार प्राप्त होंगे ओर समान उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



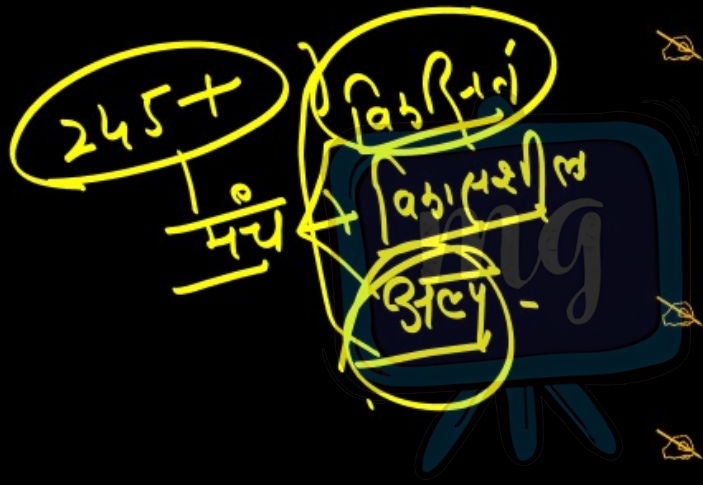
विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा :-

- विश्व के कुछ हिस्से और क्षेत्र किसी एक देश के संप्रभु क्षेत्राधिकार से बाहर होते हैं।
- इसीलिए उनका प्रबंधन साझे तौर पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा किया जाता है।
- इन्हें 'वैश्विक संपदा' या 'मानवता की साझी विरासत' कहा जाता है।
- इसमें पृथ्वी का वायुमंडल, अंटार्कटिका, समुद्री सतह और बाहरी अंतरिक्ष शामिल है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शीतयुद्ध कालीन दौर



LET'S LEARN TOGETHER

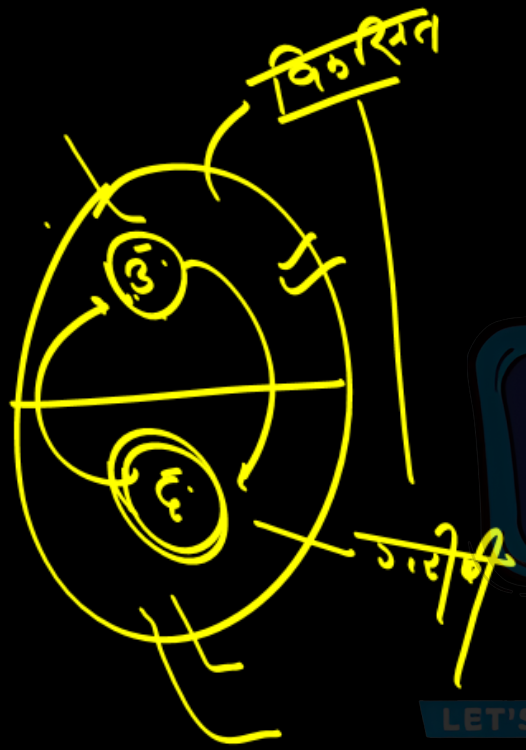
- 'वैश्विक संपदा' की सुरक्षा के सवाल पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कायम करना बेहद मुश्किल।

समस्या :-

- अपुष्ट वैज्ञानिक साक्ष्यों और समय-सीमा को लेकर मतभेद पैदा होते हैं।
- ऐसे में सर्वमान्य पर्यावरणीय अंजेडा पर सहमति कायम करना मुश्किल।
- इस अर्थ में 1980 के दशक के मध्य में अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में छेद की खोज एक आंख खोल देने वाली घटना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बाहरी अंतरिक्ष के प्रबंधन पर उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों के बीच मौजूद असमानता का असर।
- धरती के वायुमंडल और समुद्री सतह के समान यहां भी महत्वपूर्ण मसला प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास का है।
- बाहरी अंतरिक्ष में जो दोहन-कार्य हो रहे है उनके फायदे न तो मौजूदा पीढ़ी में सबके लिए बराबर है और न ही आगे की पीढ़ियों के लिए।